राजस्थान ने सरकारी कर्मचारियों पर लगा प्रतिबंध हटाया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राजस्थान सरकार** ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है।

मुख्य बिंदु

- **राज्य में RSS में शामिल होने पर प्रतिबंध वर्ष 1972 से लागू है।** परिपत्र के माध्यम से सरकारी अधिकारियों पर 52 वर्ष पुराना प्रतिबंध हटा दिया गया है।
    - पिछले आदेशों में 17 संगठनों को सूचीबद्ध किया गया था, **जिसमें उनसे जुड़े या उनकी गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान था**
    - अब, कर्मचारियों को शाखाओं (सुबह की सभाओं) में शामिल होने और RSS की अन्य सभी गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति है।
- **जुलाई 2024 में केंद्र सरकार** ने सरकारी अधिकारियों के RSS गतिविधियों में भाग लेने पर **प्रतिबंध हटा** लिया, **जिसके बाद हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों ने भी प्रतिबंध हटा लिया।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS)

- **परिचय**
    - यह एक **हिंदू राष्ट्रवादी स्वयंसेवी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. के.बी. हेडगेवार** द्वारा हिंदू संस्कृति और समाज के लिये कथित खतरों के जवाब में की गई थी, विशेष रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान।
    - इसका उद्देश्य **हिंदुत्व के विचार को बढ़ावा देना है,** जो हिंदू सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान पर ज़ोर देता है।
- **विचारधारा:**
    - विनायक दामोदर सावरकर **द्वारा व्यक्त की गई** RSS की केंद्रीय विचारधारा इस विचार को बढ़ावा देती है कि भारत मूलतः एक **हिंदू राष्ट्र** है।
    - RSS **भारतीय संस्कृति और विरासत के महत्त्व** पर ज़ोर देता है, जिसका उद्देश्य लोगों को एक समान राष्ट्रीय पहचान के तहत एकजुट करना है।
    - यह संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आपदा राहत सहित विभिन्न **सामाजिक सेवा गतिविधियों** में संलग्न है तथा अपने सदस्यों के बीच "सेवा" के विचार को बढ़ावा देता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-lfts-ban-on-government-employees